



**Αλφειός**

ένα ποτάμι στο  
κέντρο της πόλης

## Μη με ξεχάσεις



Τιμή: 20,00 €

**SKU:** AB-002104351

**Σε απόθεμα:** 99

**Κατηγορίες Βιβλίου:** [Εκδόσεις Αλφειός](#), [Εμφύλιος 1946-1949](#), [Κατοχή - Αντίσταση 1940-45](#), [Μαρτυρίες - Απομνημονεύματα](#), [Πελοπόννησος](#)

### Περιγραφή Βιβλίου

Η προκατοχική Αθήνα

Ο πόλεμος

Η αντίσταση

Οι μάχες με τους Γερμανούς στην Πελοπόννησο

Η τρομοκρατία

Η συμμετοχή στο Β' Αντάρτικο

Οι διωγμοί

Οι φυλακίσεις

Τα βασανιστήρια

Η εξορία

ΠΕΡΙΕΧΟΜΕΝΑ

|                              |    |
|------------------------------|----|
| Πρόλογος.....                | 7  |
| Εισαγωγή .....               | 9  |
| Σημείωμα του συγγραφέα ..... | 15 |

## **Μέρος πρώτο (Προπολεμικά χρόνια - Κατοχή - Αντίσταση)**

Στο Παναρκαδικό

|                                    |    |
|------------------------------------|----|
| Νοσοκομείο .....                   | 21 |
| Τέλος του 19ου αιώνα.....          | 21 |
| Ο επαναπατρισμός.....              | 23 |
| Στο καφενείο.....                  | 24 |
| Η νεολαία Μεταξά.....              | 28 |
| Ρασομμάτη 26 Οκτωβρίου 1939.....   | 29 |
| 28 Οκτωβρίου 1940                  |    |
| Η επιστράτευση.....                | 30 |
| Στο χωριό.....                     | 31 |
| Φιλοξενία Αθηναίων.....            | 32 |
| Οι Εγγλέζοι.....                   | 32 |
| Και πάλι στην Ομόνοια.....         | 36 |
| Νεολαία.....                       | 38 |
| Προκηρύξεις .....                  | 39 |
| Επιστροφή στο χωριό.....           | 40 |
| Οργάνωση μικρής κοινωνίας.....     | 40 |
| Ένα ευτράπελο.....                 | 41 |
| Το λαϊκό δικαστήριο.....           | 42 |
| Οι κλεψιές.....                    | 42 |
| Η δράση του αρχηγού της Τάξης..... | 43 |

|  |    |
|--|----|
| Η καθημερινότητα.....                  | 43 |
| Ρούχα και τριχιές.....                 | 44 |
| Ο ιερέας.....                          | 45 |
| Το σχολείο.....                        | 46 |
| Η Νεολαία.....                         | 46 |
| Το πρώτο σαμποτάζ.....                 | 47 |
| Η απελευθέρωση .....                   | 50 |
| Ο Νίκος Κόντος.....                    | 51 |
| Το τηλεφωνείο.....                     | 54 |
| Οι ρέγγες.....                         | 55 |
| Οι λαγοί.....                          | 56 |
| Οι Ιταλοί.....                         | 58 |
| Αγορά καπνού.....                      | 58 |
| Ο πρώτος αντάρτης στο χωριό.....       | 67 |
| Το καταφύγιο.....                      | 68 |
| Η Αντίσταση οργανώνεται.....           | 69 |
| Μαύρη Ιστορία.....                     | 70 |
| Σαμποτάζ στα τηλεφωνικά σύρματα.....   | 71 |
| Βαρύς χειμώνας.....                    | 72 |
| Το αντάρτικο.....                      | 73 |
| Ο ξάδερφός μου πηγαίνει αντάρτης.....  | 74 |
| Ανεβαίνω στο βουνό.....                | 75 |
| Παίρνω όπλο.....                       | 76 |
| 2ο Τάγμα του 11ου Συντάγματος.....     | 77 |
| Η ψηφοφορία.....                       | 78 |
| Βίγλες, Φλεβάρης 1944.....             | 80 |
| Πρώτο κανονικό στρατόπεδο.....         | 81 |
| Οργανωμένα απέναντι στον Γερμανό ..... | 81 |
| Αποστράτευση αντάρτη .....             | 84 |
| Μια βραδιά στην Αμυγδαλιά .....        | 84 |
| Κρασί Καμπά .....                      | 86 |

|   |     |
|---|-----|
| Οι ψείρες.....  | 87  |
| Λίγα από την καθημερινότητά μας.....                  | 88  |
| Η μάχη στα Κανελλάκια .....                           | 89  |
| Κοντά με τους Γερμανούς.....                          | 89  |
| Οι ποδηλάτες.....                                     | 90  |
| Η μάχη της Βλαχέρνας.....                             | 93  |
| Ανθρωπιά.....   | 98  |
| Ιδιαίτερη μνεία.....                                  | 98  |
| Μετά τη μάχη.....                                     | 99  |
| Νέα από τα μέρη μου.....                              | 100 |
| Η μάχη του Βαλτετσίου.....                            | 100 |
| Μεγάλη στρατιωτική επιχείρηση του 11ου.....           | 101 |
| Η ώρα της μάχης.....                                  | 102 |
| Οι Γερμανοί φεύγουν .....                             | 104 |
| Το ημερολόγιο.....                                    | 105 |
| Απελευθέρωση της Σπάρτης.....                         | 106 |
| Είχε σημάνει απελευθέρωση.....                        | 107 |
| Σειρά της Τρίπολης.....                               | 108 |
| Οικογενειακές στιγμές, οι τελευταίες χαρούμενες ..... | 112 |
| Στο Άργος.....  | 113 |
| Στην πολιτοφυλακή.....                                | 114 |

## **Μέρος δεύτερο (Πολιτοφύλακας - Στρατιώτης - Συμμετοχή στο 2ο Αντάρτικο)**

|                                 |     |
|---------------------------------|-----|
| Πολιτοφύλακας.....              | 119 |
| Χτύπημα από συναγωνιστή.....    | 119 |
| Ο θάνατος της μητέρας μου ..... | 120 |
| Επίσκεψη στην κλινική.....      | 120 |
| Ο τραυματισμός.....             | 121 |
| Το λαϊκό δικαστήριο.....        | 123 |
| Η συμφωνία της Βάρκιζας.....    | 123 |
| Το σκίσιμο φωτογραφιών μου..... | 124 |

|  |     |
|--|-----|
| Πολιτικός κρατούμενος πέντε μήνες.....             | 125 |
| Στρατιώτης.....                                    | 127 |
| Στο Ναύπλιο στρατιώτης.....                        | 130 |
| Γραφείο εκπαίδευσης.....                           | 133 |
| Και φωτογράφος.....                                | 134 |
| Στον Άγιο Σπυρίδωνα Ναυπλίου.....                  | 134 |
| Ο Ταγματάρχης Παπαηλιού.....                       | 136 |
| Στο Άστρος.....                                    | 137 |
| Τα βαφτίσια.....                                   | 137 |
| Το καψώνι.....                                     | 139 |
| Ο Γεώργιος Αλεξόπουλος.....                        | 141 |
| Εκπαίδευση αξιωματικών.....                        | 143 |
| Λοχίας.....  | 143 |
| Αλλαγή κατακτητή.....                              | 144 |
| Το 2ο γραφείο.....                                 | 146 |
| Στο Άργος .....                                    | 148 |
| 4ήμερη στρατιωτική άδεια.....                      | 148 |
| Με αναζητά ο καπετάν Λαδάς.....                    | 152 |
| Κυνηγημένος .....                                  | 155 |
| Ένα περιστατικό.....                               | 156 |
| Το γράμμα .....                                    | 157 |
| Σημείωμα στον Λαδά.....                            | 157 |
| Στο Γενικό Αρχηγείο του Δημοκρατικού Στρατού.....  | 158 |
| Η γνωριμία με το αρχηγείο της τρίτης μεραρχίας.... | 162 |
| Στη σχολή αξιωματικών Κανελλόπουλου.....           | 166 |
| Αξιωματικός στρατοπεδεύσεως.....                   | 168 |
| Η χειροβομβίδα .....                               | 170 |
| Τα δίχρονα του Δ.Σ.....                            | 171 |
| Ο Κοέν .....                                       | 173 |
| Με τον Κένεθ Μάθιους .....                         | 177 |
| Οι λουφατζήδες.....                                | 180 |

|  |     |
|--|-----|
| Με τον αδελφό μου .....  | 180 |
| Η ενάτη στην Πελοπόννησο.....  | 182 |
| Η Γεωργία σώζεται.....   | 184 |
| Η αντάρτισσα .....   | 187 |
| Με τον Κίμωνα .....  | 188 |
| Το πιστόλι μου με τις έξι σφαίρες.....                                     | 190 |
| Η επιστροφή με τις αντάρτισσες.....  | 191 |
| Η δική μου επιστροφή .....   | 193 |
| Για μια φορά ακόμα κυνηγημένος.....  | 196 |
| Με ομάδα ανταρτών.....   | 197 |
| Με τραυματία αντάρτη.....  | 199 |
| Ο καθένas μόνος του.....   | 202 |
| Μόνη βοήθεια από τους δικούς μου.....                                      | 204 |
| Η διαταγή παράδοσής μου .....  | 206 |
| Η παράδοση.....  | 208 |
| Και ο Τσέκερης με τους χιτομάυδες.....                                     | 210 |
| Οι Καραλεκαίοι .....   | 213 |
| Η κράτησή μου .....  | 216 |
| Χάνονται ψυχές και όμως κάποιοι ελεεινολογούν.....                         | 219 |
| Ο καταδότης.....   | 222 |
| <b>Μέρος τρίτο (Βασανιστήρια - φυλακή - οικογένεια - εξορία στη Γυάρο)</b> |     |
| Προς την Τρίπολη.....  | 231 |
| Στην Τρίπολη.....  | 234 |
| Τα «παιδιά» της Φρειδερίκης.....   | 238 |
| Ο αγώνας έτρωγε από τις σάρκες του .....                                   | 241 |
| Δυο παλιοί γνώριμοι με αναζητούν.....                                      | 242 |
| Να συναντήσω τον διοικητή μου .....  | 243 |
| Οι συναγωνιστές μου .....  | 244 |
| Φεύγω για Ναύπλιο .....  | 245 |
| Ο σεβασμός.....  | 248 |
| Ο Γιάννογλου .....   | 249 |

|  |     |
|--|-----|
| Η διαδρομή για Κόρινθο.....                  | 257 |
| Οι νοσοκόμοι .....                           | 259 |
| Το Στρατοδικείο.....                         | 260 |
| Στη φυλακή .....                             | 262 |
| Από Τριπόταμο .....                          | 265 |
| Δικαστήριο για ανήκεστη βλάβη .....          | 265 |
| Και στις στρατιωτικές φυλακές Κορίνθου ..... | 268 |
| Στις φυλακές Καλαμάτας.....                  | 268 |
| Τα εκκλησάκια .....                          | 270 |
| Και πάλι ο Κοέν .....                        | 272 |
| Ο δικηγόρος .....                            | 273 |
| Η δίκη.....                                  | 275 |
| Με τον πατέρα μαζί στη φυλακή .....          | 277 |
| Αν χάσαμε τα δαχτυλίδια.....                 | 278 |
| Ανάγνωση απόφασης.....                       | 282 |
| Η αποφυλάκιση .....                          | 282 |
| Φτάνω στο σπίτι μου.....                     | 286 |
| Η υποδοχή.....                               | 287 |
| Ο αλωνισμός .....                            | 289 |
| Ο πρώτος καιρός .....                        | 290 |
| Έμπορος .....                                | 291 |
| Οι χειροπέδες.....                           | 293 |
| Κοέν .....                                   | 295 |
| Το 1952 .....                                | 296 |
| Ο χαμός του πατέρα μου.....                  | 298 |
| Οι πληγές μου .....                          | 298 |
| Η ίαση .....                                 | 299 |
| Γιατί να μην σκοτωθεί.....                   | 300 |
| Τρία καλά παιδιά, άτυχα στη ζωή τους .....   | 301 |
| Το συνοικέσιο .....                          | 301 |
| Ο γάμος.....                                 | 303 |

|   |     |
|---|-----|
| Εργασία.....                                  | 304 |
| Αγροτική ζωή .....                            | 305 |
| Το επώνυμο .....                              | 306 |
| Ο συνεταιρισμός.....                          | 306 |
| Η εφημερίδα .....                             | 307 |
| Παπάς .....                                   | 307 |
| Με τους παπάδες.....                          | 309 |
| ΕΔΑ - εκλογές 1958 .....                      | 311 |
| Δεκαετία του 1960 .....                       | 314 |
| Κοινοτικές εκλογές .....                      | 314 |
| Αναζητώ τις ξαδέρφες μου .....                | 315 |
| Αναζητώ τον αδερφό μου .....                  | 316 |
| Μαθαίνω και τέχνη .....                       | 317 |
| Φωτογραφία και μουσική.....                   | 318 |
| 1967, Δικτατορία .....                        | 319 |
| Αναστατωμένη η οικογένεια .....               | 321 |
| Εξορία στη Γυάρο .....                        | 325 |
| Η συμπάρασταση στην οικογένεια.....           | 328 |
| Ο Ιωάννης Λαδάς .....                         | 329 |
| Εργολάβος μωσαϊκών .....                      | 331 |
| Στο Πολυτεχνείο.....                          | 333 |
| Αξέχαστη βραδιά .....                         | 333 |
| Ο εισαγγελέας του έκτακτου Στρατοδικείου..... | 334 |
| Κοντά στα παιδιά .....                        | 335 |
| Στο Φενεό .....                               | 336 |
| Συνταξιούχος.....                             | 336 |
| Το τραγούδι της συμφιλίωσης .....             | 338 |
| Απαγγελία ποιήματος .....                     | 339 |
| Επίλογος.....                                 | 341 |
| Για τον Γιώργη Κάβουρα .....                  | 343 |



## Χαρακτηριστικά Βιβλίου

- Διαστάσεις: 17 x 24 cm
- Βάρος: 0.540 kg